





ঞা |র্নিদ্যানী সামি সংখ্যা স্থান ক্রিলামা

र्चर मुयाला ११८ य

ब्रे व्या २०२०

哥'勺|94

श्चेविःवर्देवःबेदश ३३



प्यतः हुं यो अवश्व अव प्यतः देश वित्र यो अवश्व अवश्व



सृह न्त्रु अ में न्यों के अ अर्थे दे नाई ना ज्या र्श्वे न ना १०१० । १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० | १०१० |

न्गान क्या

ळॅमशम्बर्देवः श्रृं त्रः श्रें त्रः

2	गार्के न ने ग न ने ने हैं ने	3
श	হ্রিমম শ্রুষা শম শর্বিবা	~
31	दसर्सदे स्थ रे द्य	e
e/	धेन् र्भेटिः याद्र शः र्ह्त्या	90
41	ন্মন্ম্ন্	99
61	त्रुग्राश्च : के :बु	93
الع	ट्रॅट.क्ट्रि.जग्र.तकर्	93

न्यस्य प्रदेश स्थित । स्वित्त स्थित स्थित । स्वित्त स्थित स्थित । स्वित्त स्थित स्थित स्थित स्वित्त स्थित स्या स्थित स्

क्रियाशयाई दे क्रियं मीरा



वर्चे र नावर हे अ वह्र अ ने हे अ वह्र के ने हे अर ने ने नियम के ने ने नियम के अर के नियम के नियम के अर के नियम श्रुटःश्लें न[्]श्चन् क्ष्या केत्र क्षेत्र क्षेत्र स्वार्थः प्रस्ति स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वरं योश्री सह्दर्भ नगव देव नभूत्र संदे दुया छे या छ्वा सर उदा दे श्वर है (बुँ के द से द ग्री) योश्री संदे श्वर है यो या देश *ने 'हेत' नार्शे' नः ने ना पारे 'हेत' शें 'बेश' ना हत' दवे नश ग्रीश* श्रुट' हे 'बु' नबेत' थें द' द' दश कु के नार्शे 'न' ने ना पारे 'श्रूद' स' थें दश यायळ्यसायद्वीत्रमान्त्रीयात्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् देवा नाम अ हिन् पर इस लेवा निर्मा पर्ने से पर्द आ सी मासी हुने से स्वी सी सी में से में मासी सी सी सी सी सी सी वृषु: मुचा चिष्टा अथा क्या अपाव वर्षा क्षेत्र स्वराखेत स्व देवार्थाः भ्रम् प्रेवा मित्रा वात्र वात्र के रामित्र स्वा हिरा की सिन्दिर किया की सिवा मित्र विवासित्र की सिवा मित्र की सिवा क *न्*र-श्रुट-श्रुव-न्-र-श्रेव-त्र-कुं-ट-ळें-वार्थ-नेवा-श्रुव-न्-वार्थ-नेवा-नेवा-नेवा-नेव-नेश-वादश-वादविद-वाद-ळें-क्रियामाञ्चेरःकरःसमासम्मासम्भागत्रेयःसम्भागत्रेयःसम्भागत्रेयःसम्भागत्रेयःसम्भागत्रेयःसम्भागत्रेयःसम्भागत्रेयः यदेवायानञ्जूनाक्कृत्वायाके नाधिवा देटायहं अञ्चेदार्हित र्योदयायाक्कृतवार्ह्मे द्वार्थित स्थित स्थाने विकास स्याने विकास स्थाने विकास स्थाने विकास स्थाने विकास स्थाने विकास स् `भे*८.७६* धियःवर्षःकुःकुरःवर्ध्यःचर्षयःच्हाःचर्षःदःस्वाःवीःर्थःकुरःकुरःकुरःत्त्र्यःवीषाःचीशाःवीशाःवाधेशाःव योश्री नार्द्र में ब्राह्म नार्था क्षेत्र क्षे <u>२८:वावर:चलेव:सर:ब्रेव:ब्रूचाश:वश्चाश:चर्ह्रेट्राणे:सरश:लु:क्</u>रु:णेवा २:क:र:क्रॅंवे:श्रेवा:सर्ट्व:द्रेश:शु:सर्ह्रेट्रा ह्यॅं ट्र-प्रतिव प्रति पुरा प्रत्या की विद्या प्राप्त के विश्वादि पाइव हो विष्य में में के प्रति प्राप्त के प्रति प्राप्त के प्रति प्राप्त के प्रति प्

क्रेव चेन वर्षा पाद्य से अर्थों भेन १९ ५२ चुर च र्षे स्थान प्राप्त स्थान प्राप्त स्थान प्राप्त स्थान स्थान स्थान नेयाच्या भ्रूमामस्य त्रमानि प्रमेष्याम्य स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप नर्डे अः ग्रुअः नदेः धोनाः कः इस्रअः भ्रुँ ना शः श्रुं ना ग्रुः सूत्रः र्छे ना अः क्ष्यः स्वरः स्वरः व्हुं ना अः ग्रुं अः दननः न हें वः ग्रीनः सुअः ॱढ़ऀॴॱख़ऀॴॴग़ॖॖ_ॱॱॖॖॖॖॖॖॳॴढ़ढ़ॳॖॣॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॗॶॴढ़ढ़ॴॶॶॴॶॶॴॶॴॶॴॶॴॶॴढ़ॴढ़ॴढ़ॴढ़ॴॶॴॶॴॶॴॶॴॶॴ श्चरायर प्राप्त प्रमुख्या विश्व विश् यरः वार्शे वार्षे अप्तरः श्रृंतः वर्षो वा म्यवसः व्यक्षः श्रृंतः वार्षे व्यवसः वार्षे वार्षे श्रः विवर्षे वार्षे व दुर्न्न सुर्नु नृत्व अपवर न्य पर्ने वर्षे नृत्वे स्वर्ध रहा सर्वे अपवर्षे नृत्व सुर्वे विष्कु स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य यदुःभैयकाःभियायत्याय्यात्र्याः श्रैयःतार्टा। योज्ञान्त्रीतः श्रैय। तुःयध्येयःश्रैयः वियकः ज्ञूयोकाः वर्षः स्थितः त्दरःदेशःन्व्रेशःकुःवेदःतुःवायःक्रेःवशःरःक्षंशःक्षःस्यादःवादःस्रशःयव्यः। वित्रशःवनेवाशःवन्नुवःकुरःयन्। वर्षेदः सुःस. बुदः नावदः दर्गे रुप्ते : वद्वा (बुः क्कुः प्येवा प्रेक्षेत्र नार्ये : देवा प्रेक्षेत्र : क्षेत्र : क्षेत्र नार्ये : क्षे : क्षेत्र नार्ये : क्षेत्र नार्ये : क्षेत्र नार्ये : क्षेत्र नाय नःॐश्चें द्र्यःॐर्त्राटः अःश्चेत्रअर्वेदः छेदः देः अर्छेनः यः नु अः श्चनः यत् न्यः ह्याः येदः द्र्यः प्रवेदः य इत्रहेशस्यास्य इत्राचित्रं विवाद्यास्य देवारङ्कष्टा विवाद्यास्य स्वाद्य स्वाद स्वाद्य स्वाद शुःवार्थे नः देवा प्रदे नक्ष्रुव प्राप्त राष्ट्रेव क्षाप्त प्राप्त क्ष्रिव क्षाप्त क्षाप्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र इत्राप्त क्षाप्त क्षेत्र क्ष्रुव क्षाप्त क्ष्रिव क्ष्रिव क्ष्रिव क्ष्रिव क्ष्रिव क्ष्रिक क्ष्रिक क्ष्रिक क्ष्रिक য়য়ঀॱৼ৾৾য়ৢঀ৻ঀৼ৾য়৻য়ৣঀ৻ৠৣ৾৽ঀয়ৣ৾৽য়ৢয়য়ঀ৴য়ৣ৾৽ৠ৽য়য়ৼ৻ঀঢ়৻য়ঀ৾ৼয়ঀ৾৽ৠৣঢ়৻ৼৢ৻য়৻য়ৢঢ়য়৻য়ড়য়৸ৼ৻ড়৾ঢ়৽য়৽ঢ়ৼয়৾ঢ়৽য়ঀ৾ঀয়৻য়ৣ৾য়৻য়ঢ়ৢয়৻য়ৣ৽ ही.स्.४०४० धि.६ क्र्अ.११ जा

> য়ৢঀৄয়৻৾৾ৼৣ৽ড়ৢ য়য়৻ঀয়৻য়ৼ৾৾৻ড়ঀয়৻৻

१। वार्शे नःरेवा यदे हेत् से खुट है हेट शवहिशया

म्री.जू.४०७१ जूर.क्रेय.क्र्यात्राक्र्यात्राम्बर्धात्राम्बर्धात्राम्बर्धात्राम्बर्धाः योथ्याम्बर्धाः योथ्याम्बर्धाः मुंशक्त्र्रीरशर्द्रवाद्यी.स्.४०१६ वशत्यात्रेमः वश्चाप्यस्य अञ्चाप्यस्य स्त्रित्यः स्वर्धियः स्वर्धियः स्वर्धियः ह्यः (केंग्र.११ ने निर्मार्श्य निर्माय दे हे दार्श्व निर्मात है । क्षा नाम दि न में निर्माण दि निर्माण दि न में निर्माण दि न में निर्माण दि न में निर्माण दि न बु निष्ठ त्यवेयान नवेद श्रे के १००१ ह्य ६ के ४१०० वर्षे न देवा मायदे वह सामु श्रे न निष्ठे के राप्त ढ़ऀज़ॱक़ॖॱज़ॸॱक़ॖॖॖॖॖख़ॱॴॱऄॗॱऄॸॱढ़ऀज़ॱऒॕॱॷ॒ॸॱढ़॓ॱॿ॓ॸॴॸ॔ॸॱॱॴॸॱऄॗ॔ॴॸॕॸॱऄॱॸऀज़ॴॱॻॖऀॱज़ढ़॓ॴढ़ॕॸॱऄढ़ॱग़ॴॱ र्ये में भ्रिया क्रुश्या बुश्या बुराया बुरा के दार्थे खुरा है। देवा या बुराय दे क्रुवाय है वार्य खेया या वरा सुवाया बेटकामिक्रेकाराने मिल्रिकारि से के का १११ क्रेंका १११ के का १११ के का मिल्रिका मिल्रिका मिल्रिका मिल्रिका से मिल्र ढ़ॖऀॺॱॸऄॣ॔ॸॱढ़ळॕॱॻॱॻॺॸॱॱढ़ळॸॱॸऄॗॗॻऻॳॱॻॖॸॱक़ॗ*ॺ*ॱॱॱॸॻॱॸॕॖॱऄॣ॔ॱॸॿॸॱॸऺॺॢॺॱढ़ॾॆॱॺऄॕॻॱॺऄॱॻऻऄ॔ॱॸॱ पिन वर भें भिन १९ वर प्याया मोत्र प्राया सहर देना पार दे पह साम्ची स्वर मान स्वर हो वर मान स्वर हो वर हो स्वर हो द्वार्ननःश्चेषःल्ट्रायदेःश्चर्यःविःश्चर्यःवित्र्वेषः वर्ने श्चेषःश्चेदेःवार्नेरःकवेःश्वायत्वात्रश्चिर्वेरः न्यरायस्य न्यायाः विष्यात्र व्याया स्ट्रास्त्री स्वयं स्वर्या स्वर्या स्वयं स्वयं स्वर्यास्त्री स्वर्या स्वर् (वृषःचदेःयशःदेशःम्रीःर्वेन्यःसरःधूदःर्क्वेन्वशःम्रीःर्क्वेन्यशः मुनःर्क्वेन्यःचेरशःम्वेन्नःनेःमुःन्नरःर्कःधेःदेन्।<u>चे</u>ट् यर्द्धियाय्यार्थान्यान्त्रान्त्रित्र्यास्त्रुराङ्कियायस्यात्र्यः श्रीसिष्यान्तराङ्कितान्त्रेत्रास्त्रम् स्वार्









Dr. (Prof.) Sanjeev Rastogi মার্ক্র্যান্ত্র্য क्रुव:श्रुव:ग्री:१व्यश:विच:धेना:कःईव्य:श्रुन:५८। वरः हैं अधिना श्वेषः श्वेना अङ्गेरः नाश्चरः न्यन्यावरः ने निवित्र अः नाव्याः सञ्जेषः सञ्चनः सम्बन्धः हे अः ख़्रुवः र्ळिन्। यः ग्रें :र्ळेन्। या के या व्याप्त हे :र्ळे :बुदेः यह्र क्रि. क्षेत्र अन्तरे में क्षेत्र विश्वानित्या अवश्यावयः वित्तवित्त हेता वतः यह्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विश्वानित्र विश्वानित्य विष्य विश्वानित्य विश्वानित्र विष्य विष्य विष्य विष्य वि नियर मिया यो या श्रीर नियर इस सा सूत्र कें या सा हो । हित्र क्षेत्र मिर यो सूत्र हो से हो स्वा सूत्र गल्र-त्वेयःश्वःश्वेदः ईवा नर्गेन्श्वेषः दर्देदःश्वेषः

 \P^{N} < https://soundcloud.com/centralcouncil-tibetan-medicine> শ্বর র্ক্টবাশবর্ क्दान्यतानु अपने वार्टे ह्यू नामना विवासना ने वास्त्रीया विवासने वार्ये वार्ये वार्ये वार्ये वार्ये वार्ये वार्ये श्र.श्र.र.भर्ट.श्रू.पश्रूट.क्ट्र्याश.ल्ट्रा.य.धेश.सश.मी. मशुर-नभ्द-माद्य-द्रश्र-भूद-दर्भेद-५-नदे-भूम- म्य-दर-नव्य-धुव्य-दर-मी-श-माद्य-दर-भूम-माहेर-म्री सूर नर्वम्थान्य राज्य निर्मेर स्था

श विस्रशःश्चेमायसः देता

श्रृ श्रुव परियः

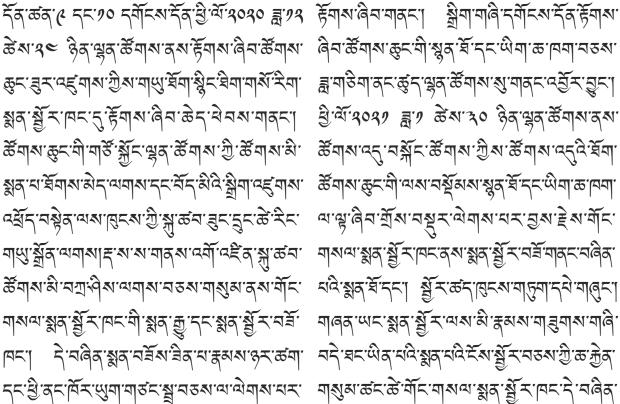
र्वेन् ग्री मार्के न सेना सदे ख़ूद रहें न का ग्री विस्रका धेना र्देव:ळंब:१०८वॅर्रूर्य:देव:ध्रे:व्यं:४००५व्यॅर:वॅट्:ग्रे): गर्भे न ने न प्रते श्रुव पा इस्तर ग्री ने न श्रुष्य (वृः श्रुप होन् सुंग्रया हो स्त्रुपाया वे या हुत स्त्रे य राष्ट्री या स् १००८ वॅर देन भ्रुवादर्वी वहुं न्या नामर म्यादे :

२० वर विंत श्रुव पा नारका १ देव श्रुवा नावर वर्षा ८.चर.ध्रिय.श्रय.त.चंटश.५०० क्य.क्र्याश.ह्य. श्चर मदे ने न श्चे य ल्या श्चे न विष

श्र नायुः र्वनाः श्रीतः रेवना नार्यः रेवनः श्रीतः श्रीतः नितः नु ह्रेग्रस्थ विग

वॅद्गी:वार्के:वःदेवायदेःखूद्रार्केवार्काःशी:ब्रिस्टराधेवाः







विनः र्क्षेन्। रुद्दः नी स्वृदः र्हे : न्दः धेना : कः निना निरुधः <u> ब्र</u>ागठेगात्रराख्ंराञ्चत ळेंग्राया शुगात्रराव हें राचुरा द्ये:व्यं:४०२१ ह्य:१ क्रेंश:३० हेद:ब्र्य:क्रेंगशदशः क्र्यायायर्ने पश्चीर क्ष्याया ग्रीया क्ष्याया यर्ने दे ह्या. ষ্ট্রবাপ:ঞ্চ:ব্যা:অম:বর্ষুমপ:শ্বর:দ্র:২৮:জুবা:জ:বিবা: ल.क्षे.ख्रेय.ब्रूब.चर्बर.ज्याबारायर.चेश.ह्रा.ब्रूट. याभाषाः श्रेवः श्रे राधिराव शाश्चवः श्रेवः श्रे राधवः याविराधिवः सदःश्चर्मः न्दा श्चे रःक्रान्तरमः नातृनाः नधे नातृदा गव्र पर क्रुं र यश्ची र यश्ची हम्म र महिन नदे चट धेन पदे सून पदे दें अ र्से र नडश ग्री क मेन यशिषाक्रम.कृ.मूरि.योशकाश्चर.श्चिर्यियः





विनःनिवरःच। विनःनिवरःच।



म्यान्य प्राप्त विचान्य प्रमान्य प्राप्त स्थान स्थान



श्चर्यात्र स्थात्र स्थात्य स्थात्य स्थात्य स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्



चलः हुलः अर्थे ह्या श्चन् । श्चनः श्चन्यः चर्वे अर्वे अर्थः ह्या अर्थः श्वनः श्वनः श्वनः श्वनः श्वनः श्वनः श्व वर्षः श्वनः श्व



यशियान्तरास्यान्य विश्वास्य प्रतिस्थान्य विश्वास्य वि

१ ९ श्रुम् शर्म के दार्शे दान है वार्म द्वार के वार्म के दान के वार्म के व



च्रिन्गुः नार्श्वः न्द्रम् स्थितः स्थान्य स्थितः स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्य



यः ते : इत हेत : वे द्या : व्या : व्



ঀ। ধ্রুব্র ন'ন্দ: ব্লুব্র ক্লুঝ নশ্বানা র্থু আ

दर्ने त्यें कु द्वा र्वेट हिर सु द्वादश्यकेट पदे र्ने वा <u> ব্রিরমানার্ব ইমমাণ্ডের ব্রাথেমমার্হেমান্নীর</u> ब्रिंद'र्पेट्र स'स' हिन पाट्य के के र पर्वे 'बेट के सट र्धेनःत्र्झेन्:चश्नेन:ग्री:न्गवःन्वःक्रेनःर्थे:व्खन्:चल्नेनः नार्शे नार्डे अक्तेन मनस्य नियापीन निया मुक्ति मानस्य नविद्रासदे रुषादि रामा १व रेस वार्गि से तार त्रायान्यान्यः व कुन्द्रायान्यः वेद्रायम् व न्या यरःपाद्ध्व:ळॅन्:क्<u>रू</u>ट:पाशुक्ष:यःचॅन्:क्रूव:क्रीश:यदः नश्चेत्रः केत्रः संस्थितः वित्रः भेत्रान्त्रः नित्रः भेत्रान्त्रः स्त्रेत्रः ळॅं न : खूत : ने न : क्षेत्र या के न : या के : खूत : या न न : क्षूत : क्षेत्र : क्षेत् यह्र अपने भूत भूति राज्ये प्रताले राज्ये राज र्षेट्रहेर् छेर् से प्रेंट्र क्षेत्र के वार्य देश स्ट के वार्य ग्री:वर्डे ८-वर्ड्ड ४-व्यःवार्डे ८-वाले ५८-द्वावा पर-ळं८-व्य श्रेव पति श्रूव पा प्रमाश्रूव श्रुव पति या विष्युव प्रायदा सक्रवन्त्रन्त्र<u>म्</u>रिते क्षेत्रामा स्रोतामा स्रोतासा स्रोतासा द्ये:व्रॅ:४०४० ह्य:६ ळेंग्र:४६ हेत:वॅन:श्रेवे:श्लेवा दह्रं ना या हिन हिंदया भ्रा कं न हें त ना कें न हिन हुं दम्रेवालुकाश्चेकाञ्चर पान्दाञ्चर मह्कार्चेना से स्मा वशर्ने वाश्व चेत्र वावर द्वीश शंदे ख्या क्रें तर्र क्वश ঽ৾ঀ[৽]য়৽ঀঀয়৽য়৽ৼ৾৽ড়৾৾৻ৼয়ৢ৾৾য়৽য়ৼ৽ঀ*ৼৢয়*৽ঢ়৾৽য়য়৽ याहेर्यावर रेवा या सर्देव कें या ये रेवा ख़ूव कें या या शुः ख्रयः सरः वर्त्रेयः नः नावरः र्रेन सः वुषा नावरः र्नेव पर्ने न्दर प्रचेष में भिषा कूष प्रचार स्था नाई श व्नार्स्ते नामा खाया नामा निया है नासी नामा है नामा स्थान है नामा स्था स्थान है नामा स्था स्थान है नामा स्था स्थान है नामा स्थान है नामा स्थान है नामा स्थान है नामा स्था

*`*डेप्टरसेन्'सम्बद्'सम्'ङ्कव्यन्त्रहर्मः'न्दर्देव'ळेव' ইঅ'র'র্ক্সই'রের্মম'রীর্ন'রবি'বার্ম'র্ক্ড্'অ'রীন'র্বি'। दःक्टःसशःश्रुटः गुटः दटः देः देवाशः वगवाः श्रूदशः यः सक्त्रः च**ब्**यार्था स्वाःस्यः स्वाः स्वः यो हेनः याराः पिट.वंश.योश्. र्यं या.श्रेय.त्यं श्रेट.य हं श.पे.त्यश यक्षेर्यान्स्रक्षरात्याने त्वेत्याची क्विनायिकेरान्त्रस्र सुन त्युर् हे रेग्रायायायायाय रायदे रायदे राष्ट्रीय स्टेश हे या व्या यःनवितःनात्रमः र्श्नेमः प्यान्यः वित्रा क्रम्यः केनाः नार्यः । रेपाः भ्रुवः र्क्कें प्रश्य दिने हो नवह वर्षे हो नवह वर्षे वरत्ये वर्षे ब्रिस्थान्वेर्थान्त्राह्यं विश्वास्य विश्व दॅन'द'नर'विसर्भ'क्षेन'दर्नेदर्भ'देर'देर'क्षेत्र'वेद मदःश्चरमदःसक्रम्मबुदःद्रः मुद्रे। वा मुद्रान्यस्यः श्लुःळंनःदेवःगर्वेदःसम्। त्वरःवस्यःसिवेदःहेनामः दरः *য়*ॱॻऻढ़ॺॱॸऀ॔ॸ॒ॱॺ॓ॱॾॺॺॱख़ॱॸ॓ॱॺख़ॖ॔ॸॺॱॻऻॺख़ॱ नश्चनाशनादरःश्चेंदःर्धेदःचःत्या

शिर स्वास्ट्रियाश स्वी

स्थान्त्री स्थान्त्री

श्वाभाक्ति क्ष्या मान्य मान्य

भ वसर्यदेखकर्द्र्

यानुब्रान्यभूत् श्री महें त्याबी

- १। गड़्द्र रेस्र भें सिट १८ हस्र अ विचायस वक्र रहर यस हेंद्रा
- श गणुर्चेनाः श्रेटः वेनानोः वेंतः वर्ते दटा हुः सः वेः

- नश्चनःग्रीःवळन्यविन्।
- म अन्ययार्थः देः चुरः स्वयः वें कुया
- क्ट.र्टा श्चर. यहूकःश्चरी इत्रम्भूम् स्ट्रियाकः इ.स्यम्भः स्ट्रियाकः इ.स्यम्भः श्चरः यहूकःश्चरी इ.स्यम्भः श्चरः यहूकःश्चरी
- र्वा त्रञ्जा व्यक्षा व्यक्ष स्वाप्त स्व
- ६। श्रेस्राक्टेंन्प्रसेन्प्रहेन्छीःन्स्रेन्श्रेन्
- খ ন্তম্ম নিবাম নুগ্ৰন্থ ক্লিমা Scientific Writings
- रा र्या सामक्रियाची भुक्ति त्या मुक्ति स्था सामक्रियाची भुक्ति त्या मुक्ति स्था स्था क्रियाची स्थाची स्था क्रियाची स्थाची स्था क्रियाची स्था क्रियाची स्था क्रियाची स्था क्रियाची स्थाची स्था क्रियाची स्था क्री स्था क्रियाची स्था क्री स्था क्री स्थाची स्था क्रियाची स्था क्री स्था क्री स्था क्री स्था क्री स्थाच
- त्र चक्करम्बर्भार्मिन्१ वर्गविः व्यापन्सः वर्षे चक्करम्बर्भार्मिन्१ वर्गविः वर्गविः वर्गाविः वर्गावे वर्गाविः वर्गाविः वर्गाविः वर्गाविः वर्गाविः वर्गाविः वर्गाविः
- 9이 월·영미치·鰲리·원·국미·디·교치· Plasma Therapy ※ 기
- গ্র্যান রাম্বর প্রমান্ত ক্রিন্ট্র ক্রিন্দ্র প্রমান করি । প্রমান ক্রিন্দ্র ক্রিন্ট্র ক্রিন্ট্র ক্রিন্ট্র প্রমান করি ।
- १२| वासेरः विचः द्रः श्चः से वासेरः हेवः सँवासः से वहं वः द्रा वह्सः तुस्र। वाहरः विः सँवासः ग्रेः व्यवाः वेदः श्चेंदः श्चुवा
- १३। श्वरक्षेत्रश्चराह्मराह्मराह्मरा
- १८। गुर-स्वाय ग्री सकेर सदे इस नन्त
- १५। व्हें मुन्न ग्रेम खंया श्रव नर्ड म स्निन भ्रम

१८। শ্লমানন শ্রীমাস্কর বার্মানর মার্মান १७२ श्रम् के देश्वा कर्षा कर्षा है है व नहिना है । 新刊【8】 १८। श्रव कुंद्र श्रुक कर रहा हे हुव नहना वनक 新刊(3) १८। वार्शः र्वापनुस्य निवेदः हुर रेस वे हुश

म्रे:बॅ:४०१०वॅर:ब्र्द्र:ळॅग्रथ:दश:पार्शे:व:रेग्रायदे: নমূর মাষ্ট্র দেশেনার্ব্র মান্ত্রর ঠেনামান্ট্র দেরীনামা *ૡૢૡ*ઃઽઽ૾ૡ૱૾ૢૼ૱ૡ_{૿૽ૺ}૱૱ૢ૽ૢૼઽ૱૽૽ઽ૽૽ૼઽૹૣ૱ૹૹૢ૱ ञ्च. च क्रमा वमा ४०४० ज्ञापर क्रमात्र गरा ষ্ট্রবাধ্য প্র:শ্রহেষ:१ দেইন্য:মন্ব্রবাধ:শ্রীষ:হ'নহ' ট্রিব-ক্রুঅ'বিবাদের মীর' १८४४'র ক্রিবাম মী সাম্প' १०२ র্ব-শ্লেষ-মধ্র-র্মান্ম-শ্র-স্ক্রন্ম-শ্র-শ্রেম भ्रै*सः वहुं या* नतुना सन्देनः क्षेत्रेयः नादरः व्या

८। लीटार्श्नुदिगात्रशास्त्रया

म्रे.ज्.४०४१ ध्र.४ ष्ट्र.४ ८ म.ट्र.यूर.यी.या. देवा'सदे'ख़्द्र'ळॅवाश'देवा'देव'क्<u>र</u>ुख'र्थेद'सदे'श्लूद'स' त्रुन नसूत्र कुषायळ्त प्याया शसूत्र मविदे कुत्र मी भुःळेंदेःवयेदःयःह्र्यायःयदेःधेदःभुदिःयादयःळ्यः र्वेदःसरःवेदःग्रीःम्बेरःनःरेमाःसदेःख्वःळेन्।सःग्रीः ౙౕলয়৽য়৾ঀ৾৽ড়ৼ৽য়ঀ৾৽ড়য়৽৻ঀৢয়৽ঢ়৾৽য়ৣ৽ৼৢয়৽<u>ৼ</u>ৢয়৽ৼৢয়৽

*`*बु'न'न्न'ळनश'डेग'ळें'व्रन्श|र्वेन'वे|'तृन'ऄ'श्चुत सक्टर्इस्थान्य मुन्नायार्थे द्रान्त्र न्यानु हार्से स्थान भुःखा



श्चर्यायात्र्याच्चरम् वास्त्राच्यायाळ्यायायाची हो हो हो । म्याया मित्रा मित्रा मित्रा मित्रा मित्रा मित्रा मित्रा भाषा १०१० १८५१ व्यामा मित्रा मित्रा मित्रा मित्रा मित्र नित् में कें १९८० कें राहा सार्वेद में भूता है सा सर्वे:श्वॅन विट दश्य न्यवान इ श्वंत सदे श्वें न र्वेद श्रीशःत्रादे द्रशः व बुदः व उत् र श्रीषः वेदः श्रीवेः योषुर्याक्षप्रम्थार्वेदस्यार्ट्रेन् खून्युर्म्स् न्त्र्राह्म ने निवेद पर्ने न सुनि नु कि निवास के निवास है । क्रेशावराची प्यवासवा श्ववावरातु नहना नुस्त श्ववा सदःसमायत्त्रम् तुमा द्वी स्वा ११६६६ ह्वा ३ क्रमा १३ ৡ৾ঀ৾৾৴৴ৣ৾৽য়ৢঀ৾ৼৢ৾৾৵৽য়৾৾৾য়৾ৢয়ঢ়৽ঢ়ৼয়৾৵৽য়ৣঀ৽ৼয়ঌ৽ नःक्टर्न्यद्वःस्यातिह्यःचित्रस्तिरःस्रुःस्रे र्देव.चश्चिटमान्यदःसद्दः छटःचाबुटःदटःसमास्येवः यट.कुर.धेशश.श्रीट.कथ.ग्री.श्रैथ.स.भी.यग्रीश.लेयी. लुब्रसदेर्ट्स्इन्स्क्रेट्स्क्रूट्स्

ধ্য বাষক্ষরস্থা

थ। गहन रेसम में सिन १६ इट वर्डे वा ना



అత్మ | షేర్ : బ్రేహిష్ చాసే చా చే 'ఇక్షన్ : జే చాలు | CENTRAL COUNCIL OF TIBETAN MEDICINE

(Registered under the Societies Registration Act XXV of 1860 vide Registration No. 4348/C/E/R/C)

Ref. Na whore (1-24/2020-77

Date 17/1/3 20

क्का विन्ति नहीं नहीं नहीं नहीं में के नहीं नहीं नहीं नहीं नहीं में में महान नहीं नहीं नहीं में महान नहीं नहीं

ळेन्त्

लास्यास्य विश्व विश्व विश्व विश्व क्षेत्र विश्व विश्व

ह्या योशामार य श्रीय साम्भू भूत ह्या विर ता बिना ततु ह्या तरि ताम भी योद्र योथर मूर सर्म स्विन योप्ट स्वि विर म स्व ह्या योशामार य श्रीय साम्भू मूर्य ह्या विर ता बिना त्रा प्रिया विर म स्वि म स्व म स्व म स्व म स्व म स्व म स्व ह्या म भी सूर्य म म म म म स्व ह्या म स्व म स्व

च दश्य दश शूद मार्थे सेंदि शक्य हैंग दश महिंद महद धेर महा

विद् नु वासी वादिवासि पूत्र क्रियाम ने भिवाक्य हमा है के १०१० हा ११ के १११ में

न्। विषक्त्या.ध्यान्द्रभावक्षायदेव्यक्ष नठरः श्रुव्रन्यः इस्रायान्ये र्वे शक्तुः के ने द्रा ग्री ना से ना मंत्रे क्रुव पहें व पर्कें हो न श्लव मार्थे न साम्

न्वॅरिशनाश्रयानविदार्चेन् ग्रीमार्शेन्स्यानवे खूद ह्य ६ के अ. ११ हेद नार्थे न ने ना पदे हेद से सुर है. *ब्*.चाह्याचेत्यःबेटःहेत्रःबॅःश्चटाडेःबेट्यःद्रटःदेःहेः র্থ.४०१६ খ্র.६ জ্রুপ. ११ ध्रेय.मे.चे.च.र.मे.ज.४.के खेर-दश्चेन्य-देव-चलेव-चर्झेट-ळॅन्य-वावट-मुनः य:त्वुट:ॲंट्र^{:य:}र्,्य:केंद्र:सूत्रय:त्रसूत्र:पॉर्यें:रेवा:केट्र: क्रिंबार्स्य वाया वाया विकास क्षेत्र वाया विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र श्चेतात्रान्वित्रत्यर्गन्त्रभूत्रात्योध्याश्चेत्राश्चराः गुहा

तुःश्चेरःदरःश्

र्झे खुट हे बेट या निहेया या है। खुर यहुट में ब्रिना लु पकर दटा थ ही हिंद र यमें टाया या क्षुनया सर्मेद के दर्भ सर्केना या क्षु देत दर्नेयान्त्रीं नार्नेनामान्दात्व्यार्मनामदे यान्याम्यान्ये नर्मे हेयान्त्रम्मी केट्र हेया केट्र हेना हे सकेया स्वास्त्रम्भास्य सर्वादशान्त्राच्याः क्रांत्रवाः क्रांत्रवाः क्रांत्रवादशान्त्रवाः वादेः देवाः क्रांत्रवाः विद्याः क्रांत्रवाः नाइतःरेस्रशःमें भे ८.७६ तर् तास्रशः वह्सा भ्वेरः भ्वेतः वान्यवान भ्वन्यान भ्वन्यान स्वान्यान स्वान्यान स्वान्यान वर.री.र.क.चार्यश्रक्षरश्राह्,रियो.क्योश.सपु.मुध्येष्टे,सपु.संय. ૹ૾ૼૼૼૼ**ઌૹ**૽૾ૺૹ૽ૼૼૼૼૼૼૼૼૼઌ૱ૡૼૺઌ૽૽ૢૼ૱ૹ૽ૼૹૢ૽૱ૹ૽ૼૹૢ૽૱ૹ૽ૼૺૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼઌૹ૽૽ઌ૽૽ૼૹૢ૽૱ૹ૽ૼૹૢ૽૱ૹ૽ૼૺ য়ৼয়৻ঀ৾ঢ়য়৻ৼ৻৾ৼৢ৻ঀয়য়৻ৠৢয়য়৻য়ৢৼ৻ড়য়ৢৼয়৻য়ৢয়৻ড়ড়ৼ৻ र्वे १२०२१ ह्न.१ केंग.५ व्यून केंग्रायन्तु नहें यानि नुया हाय मान्यान्य यान्यान्य विषया यान्य विषया विषया विषय

न ने ना निर्देश्वेद से सुर हिते पुरा के ना रा ने हिदाना रें निरा र्श्वेन महिनापन प्रतिन स्वित स्वापन स्वित स्वापन स्वित स्व इयमान्याम् मान्यम् अः शुर् श्रुवः मानामः वर्ष्ट् समा १ वट् प्यसमः हिन निष्य नगना वर्गेना नी हिस्स हीना वर्ग नहें सुर र र्केष्ट्रत्यां ना वन अरवा स्थान राम राम हो सार हिंगा ने सहर र्क्षेत्र:क्रुव:वार्क्रव:द्वर्य:वर्क्षव:द्वरःवर्क्षव:वर्देवरःर्क्षेत्र: त्रभारे तर्रेष निष्ट होता निष्ट होता है । विश्व वाह वह मानिक म्री त्म् म्यून व्हें नाम नम है म मुना लु मु प्येत ने नक्य র্কুম বশ্বুম প্রবাগার্উন্ ব্রুম ঐন্ র স্বা

र्नेब ळंब गहिशाया

*ने*ॱसृ'वार्के'र्नेवा'केन्'र्हेक'र्सेवाक्ष'रासूक्ष'केन्'र्हेक'वान्'अळंबक' दर्जे र र्शेर प्यर ५ ५ ५ के र र्जे अ ग्वर अविव अ के अ के रेजे ज्.४०४० ५.१४ क्रम.४० चर.र्ड्स्म.चर्मप्र.रीम.पचीरम. यावर याहत वियान पर दे से हैं अन्य से ते नहें द या विते हैं वा वदे व्याचेंद्र स्रोते स्रोता वह नाया त्रया अर्थे वेंद्र व्यवेंद्र या स्रुवया सर्वोद्गः केदार्थः सर्केवा या श्लादित है या द्वार ही। व्यारश्ली दिन · भ्रुत्रः र्क्टिना शः र्क्टिना शः ने द्रशः स्वाः ना वेरिना स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्व म्चेरःविनाःग्ररःने भ्रेनाःयसःपळरःभ्रेन देवःग्ररःस् सेदेःवे २०२० ह्यः१२ ळेसः१० प्रग्ररसःसेरःनसूरःनावरःपेरः

८। वियाश है के ली



醹

ली स्था केट. बाट भा ४६ च २ भा नाय ट. भूय . बीट स्वर स्था मा अस्त . बीच भा के भा ने भा ने भा ने भा ने स्वर स्था मा विद्या मा अस्त . बीच स्था मा अस्त . बीच . बी

न् दूर-भैतु-लश्न-तकरी

- 🍃 ब्रुवःर्ळेग्रयःर्ळेग्रयः वेदशः३ 🗢 य
- > व्रुवःकिंग्रान्तुः नहे अपे वेर्षे रायते सह देशे प्रतास मास्यान्तुः वर्षे द्
- 🕨 विस्रशः श्रीमा प्रशः देवा
- > इःर्वेनाम्बर्यस्त्र-प्रदान्त्रें स्रोत्









CENTRAL COUNCIL OF TIBETAN MEDICINE

December, 2020

VOLUME: 33

CONTENTS

	Chairperson's Message	
1.	2nd Sowa-Rigpa Day Celebration	3
2	Registration of Doctors	3
3.	Inspection at Youthok Nyingthik Sorig Menjor Unit	4
4.	Inspection at Tibetan and Himalayan Menjor Unit	4
5.	Invigilator visit to Chagpori Tibetan Medical Institute	4
6.	Prohibition of Fake Sowa-Rigpa Practitioners and Medicines	5
7.	CCTM Board Meeting	5
8.	Virtual talks and discussion	5
9.	Members of Friends of Tibetan medicine	5
10.	Obituary	5
11	A also assilted assistant	6

Upcoming events

- 34th CCTM Board Meeting
- 17th Founding anniversary and inauguration of CCTM new office
- Inspection to registered Medical college/Institution and Menjorkhang
- CME for Sorig Doctors
- Health talks

Published By: Central Council of Tibetan Medicine
Editors: Dr. Tsering Tsamchoe & Dr. Ngawang Jinpa Sunang





CHAIRPERSON'S MESSAGE

On behalf of Central Council of Tibetan Medicne (CCTM), I would like to extend my TashiDelek to all the Sowa Rigpa practitioners. CCTM marked every 11th September as the Sowa-Rigpa Day since 2019. After His Holiness the 14th Dalai Lama came into exile in India, His Holiness put his tireless efforts to set up religious, cultural and educational institutions including Tibetan Medicine and Astrological Institution to preserve and promote our ancient rich culture. On 11th September 1961, the day when His Holiness the 14th Dalai Lama called upon all the Tibetan medical and Astro. scholars residing in India and contributed immense support towards Tibetan medicine and Astrology. CCTM decided to mark this auspicious day as the Sowa Rigpa day as a gratitude to His Holiness the 14th Dalai lama.

Sowa Rigpa (Tibetan Medicine) is one of the five major field of knowledge of Tibetan culture. It is the treasure of all beings and is the precious legacy of our great ancestors and has an imcomparable deep valid history which cannot be erased. It is the responsibility of all the individuals related to Sowa Rigpa and the Sowa Rigpa institutions, community and groups to preserve, promote and flourish it's practice. For this, it is essential to cooperate with each other and work closely for the common goal. The council deeply appreciates our Sowa-Rigpa practitioners in and outside Tibet for their sincerity and continued service for the welfare of the public in this critical time of the Covid-19 pandemic.

The special committee on Covid-19 under the guidance of CCTM is in the process of compiling the important documents of identification and transmission of the most deadliest disease of the century, Covid-19, the symptoms, precautions measures and the treatment in Sowa-Rigpa system and also documenting research and qualified analysis based on western medicine (allopathic) displaying how the new SARS-CoV2 virus affects the human body, its identification, symptoms and the treatment.

We extend our sincere appreciation and gratitude to the Department of Health, CTA and Men-Tsee-Khang for the immense contribution in providing health services for the welfare of public. We also extend our appreciation and thanks to Chagpori Tibetan Medical Institute, private hospitals and doctors, organisations who provide free medications and health awareness to the public during this critical time.

We would like to request all the doctors, nurses and health workers to kindly continue your great

services towards humanity.

We extended our heartfelt gratitude to His Holiness the Dalai Lama on this special day and would also like to extend our gratitude to our great ancestors for their tireless efforts in the preservation of our tradition.

Lastly, we pray for the happiness and good health of all sentient beings. May all the Tibetan Doctors inside and out side Tibet unite soon in the land of Tibet.

1. 2nd Sowa-Rigpa day celebration

As per resolution of 30th board meeting, the CCTM mark every 11th Sepetember as the Sowa-Rigpa Day. The 1st Sowa-Rigpa Day was celebrated in New Delhi on 11th September 2019. Due to Covid-19 pandemic, the 2nd Sowa Rigpa day which was supposed to be held on 11th September 2020 was not carried out as prior scheduled. Therefore, a brief celebration was held online after notifying all the registered Sowa-Rigpa practitioners through Council's groupchat. 2nd Sowa Rigpa Day celebration started with the CCTM Chairman massage relating to Sowa-Rigpa Day. Followed by Dr. TsewangTamdin's (Visiting Physician to H. H. 14th Dalai Lama) talk. He briefed about how Sowa-Rigpa is preserved and promoted in India and the importance of its continues practice and dissemination of Sowa-Rigpa. Following Dr. Tsewang Tamdin, Dr. Rakdo Lobsang Tenzin delivered a speech where he stressed on how Sowa-Rigpa, one of the four Traditional Medicines in the world should be brought forward in the international platform. In the afternoon session, Dr. (Prof.) Sanjeev Rastogi, the Ayurvedic professor, talked about methods to prepare research paper on Traditional Medicines, introduced standard research journals, and how to present research papers. The brief Sowa-Rigpa day was concluded with the vote of Thanks by Council Chair to all the scholars and participants. Council also urges all its registered medical Institutes via its regional coordinator to celebrate 2nd Sowa-Rigpa Day in their particular region and hence some of the Institutes in India and Nepal has marked the day by planting medicinal herbs in their campus garden.

The speech delivered by the above mentioned

scholars is available on the official website of the council. https://soundcloud.com/central-council-tibetan-medicine

2. Registration of Doctors

As per the Clause 10 of the CCTM legal code, the registration of Sowa-Rigpa practitioners (Tibetan doctors), has been started in 2006. From the period of 1st July 2020 till 30th December 2020, One Doctor has been registered under CCTM making a total of 507 registered doctors till date.

3. Inspection at *Youthok Nyingthik*Sorig Menjor Unit

As per Clause 9 & 10 of the CCTM legal code, the inspection committee was formed by the council on 24th December 2020, consisting of Dr. Thokmey (executive member of CCTM), Mrs. Tsering Youdon (Joint secretary of Department of Health, CTA), Mr Tashi (a representative from welfare office, Dharamsala). As of rules and regulation of Sowa-Rigpa Menjorkhang/ Menjor Unit, the team headed by Dr. Thokmey has inspected the medical herbs, Compounding site, medicine store house, and the cleanliness of the areas in and around the Youthok Nyingthik pharmacy. As per rules and regulations, inspection committee submitted the reports to the council within a month. The council called for a meeting in this regard on 30th January, 2021 and went through the inspection committee's report and the documents. The council committee decided to provide three years extension approval to the pharmacy if they submit the required documents of list of medicines they produce, its source text and workers' fitness certificates. After fulfilling

the aforementioned conditions, the *Youthok Nyingthik*sorig pharmacy was granted three years approval extension from 17th December 2020 to 16th December 2023.

4. Inspection at Tibetan and Himalayan Menjor Unit

The Tibetan and Himalayan Menjorkhangwas inspected on 24th December 2020 by the inspection committee members. The inspection was done on medicinal herbs, drying process of pills, pharmacy workers, Compounding site, and the medicine store house. After the submission of reports to the council, the council held a meeting on 30th January 2021 and it was decided that the pharmacy will be granted approval for further 3 years if it fulfilled the demand of renovating the storage house that protects medicines from dirt and dust. The council also mentioned to provide worker's medical fitness certificates, amount of medicine produced and it's source text, and the cleanliness of pharmacy. After fulfilling these requirements, the Tibetan and Himalayan Menjorunit was provided approval for three years from 6th January 2020 to 5th January 2023.

5. Invigilator visit to Chagpori Tibetan Medical Institute

Under the Clause 6.6 of Registration of Sowa-Rigpas *Menpa-Kachupa* medical college, the secretary of the council Dr. Sunang Ngawang Jinpa was invited by Chagpori Tibetan medical institute during the final examinations of the 8th medical batch as an invigilator from 14th December 2020 to 18th December 2020. During his visit, he also delivered a speech to the

officials of the institute and the students on the introduction of the CCTM. In his official report, he states that there are currently 12 students (7 girls and 5 boys) in the 8th Batch and 4 teachers including one Tibetan Language teacher. The institute is planning to recruit 15 medical students for the 9th batch beginning from February 2021 if the CCIM approve.

6. Prohibition of Fake Sowa-Rigpa Practitioners and Medicines

When Covid-19 began to spread in the world, people faced immense physical and mental problems. The treatment for the Covid-19 is yet to be discovered resulting in fear and panic among people. Therefore, the doctors and researchers are looking for a solution. Tibetan medicine is seen to be very effective in terms of improving immunity, precautional methods, relieving viral infection conditions. Therefore, there is a high tendency for fake Sowa-Rigpa doctors and products. To avoid people being fooled by these doctors and to prevent deterioration of Sowa-Rigpa's reputation, CCTM requested regional representatives to be alert about the fake doctors and also requested them to report CCTM if they come across such doctors. In the past years, there have been many cases of fake doctors practicing and selling precious pills without any medical degree. CCTM further requested the regional representatives not to give supporting and recommendation letters to those fake doctors. Detial list and contact of registered Sowa-Rigpa practitioners of CCTM is available in our website and the regional representatives were requested to acknowledge these registered doctors and spread awareness among the public.

7. CCTM Board Meeting

As per the rules and regulations of the council, 33rd Board meeting was scheduled to be held from 1st to 5th of April 2020. However, due to the outbreak of Covid-19 pandemic followed by nationwide lockdown, the meeting was postponed and was later held on 30th August 2020 with the few members attending in person and the rest through online. The member has discussed on 8 agendas during the meeting.

8. Virtual talks and discussion

Taking the situation of Covid-19 into important consideration, a virtual talk and discussion session was organized from 1st July 2020 to 31st December 2020. Various Sowa-Rigpa and allopathic doctors gave talks and discussed on 19 different topics.

Topics for the visual session:

- Research work (Sowa Rigpa) on Covid-19
- 2. Preliminary of Yuthok Nyingthik
- 3. History of Chagpori establishment
- 4. Covid- 19 related symptoms, its severity and the treatment methods according to allopathic medicine
- 5. Brief history of Dreprung Sorig Drophenling
- 6. Emotional Health and how to cope it
- 7. Scientific writings of research papers
- 8. Biography of Tibetan physicians Late Dr. Yangchen Lhamo
- 9. Covid-19 response from Sowa-Rigpa perspective
- 10. Plasma therapy in Allopathic medicine

- 11. Case history of treating Kidney diseases
- 12. Practical experiences on therapies of moxabustion, cupping and bloodletting
- 13. Medicinal Plants, its identification of genuine and fake material. Session (1)
- 14. About Spleen organ in Chinese Medicine
- 15. Nervous system in Sowa-Rigpa
- 16. Treatment of Neurological condition through Accupuncture
- 17. Quality of medicinal plants, its identification of genuine and fake material. Session (2)
- 18. Quality of medicinal plants, its identification of genuine and fake material. Session (3)
- 19. A brief history of Sorig Bum-Zhi

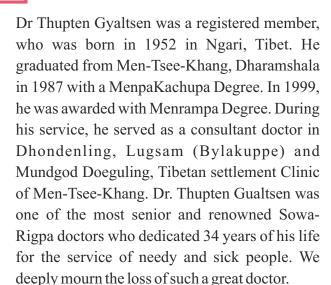
9. Members of Friends of Tibetan medicine

After the formation of Friends of Tibetan Medicine in 2010, a total of 102 members from 18 different countries have registered to be a member of this council. All the members have voluntarily engaged and registered to support the objectives and works of CCTM and Sowa-Rigpa as whole. The detailed list of members of the Tibetan medical support group can be found on the below website.

https://tibmedcouncil.org/wpcontent/uploads/2 020/09/for website sept 2020.pdf

10. Obituary

Members of CCTM mourns the untimely demise of Dr. Thupten Gyaltsen due to a prolonged illness. We expresses our deep condolences to his family and relatives.



11. Acknowledgement

Ever since the Covid-19 pandemic broke out, Sowa-Rigpa practitoners in various places have been working as frontliners workers and treating patients. They have greatly contributed in public health services. Council would also like to convey thank all the doctors for their humanity services. We thank the Department of Health, CTA for providing 595 face masks and 26 boxes of gloves for Sowa-Rigpa Doctors.

CCTM thank Dr. Kalsang Dhonden, for his sincere contribution of donation of Rs. 50,000 (Fifty thousand) for CCTM activities.

Details of CCTM Bank Accounts:

Account Name : Central Council of Tibetan Medicine

 Account No.
 : 20590110016886

 IFSC Code
 : UCBA0002059

 MICR Code
 : 176028096

Address : UCO Bank, CTA, Dharamsala, Distt. Kangra, (H.P.) INDIA

If undelivered, kindly return to:

Central Council of Tibetan Medicine

Dept. of Health Building, Gangchen Kyishong, Dharamsala-176215, Distt. Kangra, Himachal Pradesh, North India | Tele Fax $-\pm$ 91 1892 226462 / 8629006677 / 9816095637

Email: chethoe@yahoo.com / cctm2004@gmail.com

Website: www.tibmedcouncil.org